ग्रामीणों को मिली योजनाओं की जानकारी

सबकी योजना, सबका विकास अभियान पर चर्चा करते ग्रामीण.

पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर प्रखंड अंतर्गत अंगरडीहा पंचायत भवन में सबकी योजना सबका विकास पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस मौके पर ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, जनसेवक, कृषि विभाग की ओर से सुबोध प्रमाणिक, सखी मंडल की महिलाएं और काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे. सुबोध प्रमाणिक ने सखी मंडल की महिलाओं को विस्तार से कृषि विभाग से संबंधित जानकारी दी. मनरेगा के अंतर्गत आनेवाली योजनाएं जैसे- तालाब निर्माण, डोभा निर्माण, बकरी शेड, मुर्गी शेड, सूकर शेड, आम बागवानी, कच्ची सड़क का निर्माण कराना, कच्ची नाली का निर्माण कराना और भूमि समतलीकरण जैसी योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया गया. उन्हें बताया गया कि योजना लेने के लिए ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में ग्रामसभा की बैठक आयोजित की जाती है. इस योजना को ग्रामसभा से पारित कराना पड़ता है. इसके बाद उसे ग्राम पंचायत को भेजा जाता है. मनरेगा की पूरी जानकारी मिलने के बाद सखी मंडल की महिलाओं ने ग्रामसभा में योजना बनाओ अभियान की अपनी योजना को रखा. गांव की प्राथमिकता के आधार पर योजना बनायी गयी. योजना की मांग करने के बाद सखी मंडल की महिलाओं ने फिर से एक बैठक का आयोजन किया था. महिलाओं ने सामूहिक और व्यक्तिगत योजना ग्रामसभा में रखी. व्यक्तिगत योजना के अंतर्गत तालाब और डोभा निर्माण कराने की मांग की गयी है. सखी मंडल की महिलाओं ने कहा कि योजना पास होने के बाद आजीविका को बढ़ाने का उपाय किया जायेगा. कार्यक्रम के दौरान सखी मंडल की महिलाओं ने कहा कि अगर उन्हें योजनाएं नहीं मिलेंगी, तो वे प्रखंड और जिला में जाकर इसकी शिकायत करेंगी. सखी मंडल की महिलाओं ने कहा कि सभी योजनाएं ग्रामीण जनता के लिए आती हैं. योजना के तहत जो पैसा आता है, वो आम जनता का पैसा है. पंचायतों में यह राशि रखने के लिए नहीं, बल्कि विकास करने के लिए दी जाती है. ग्रामीणों की आजीविका बढ़ाने के लिए योजनाएं दी जाती हैं. गांव और समाज में बदलाव लाने के लिए योजनाएं पंचायतों में दी जाती है. कार्यक्रम शुरू होने से पहले महिलाओं ने इसकी शपथ ली.

सुशीला देवी

प्रखंड : तांतनगर
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

झारखंड में गांवों के विकास को लेकर ग्रामीणों से पूछ कर उनकी जरूरत के हिसाब से योजनाएं बनाई जा रही हैं. सबकी योजना, सबका विकास की इस मुहिम को पूरा करने में सखी मंडल की दीदियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं. यह ग्रामीण महिलाओं की ताकत है कि योजना बनाने के लिए सर्वे करने से लेकर उसे जीपीडीपी एप पर अपलोड करने की जिम्मेदारी उनको सौंपी गयी है. जेएसएलपीएस से जुड़कर जहां एक ओर महिलाएं स्वावलंबी बन रही हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में सराहनीय भूमिका निभा रही हैं. समाज में बदलाव के लिए व स्वच्छता के लिए सखी मंडल की महिलाएं कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर रही हैं, जिससे ग्रामीण जागरूक हो रहे हैं. इससे ग्रामसभा में उनकी भागीदारी बढ़ रही है.

ग्रामीण विकास में दीदियां निभा रहीं महत्वपूर्ण भूमिका

मनाया गया हाथ धुलाई दिवस

अमिता देवी

पंचायत : रनिया
जिला : खूंटी

खूंटी जिले के रनिया प्रखंड अंतर्गत रनिया आजीविका महिला संकुल संगठन में हाथ धुलाई दिवस मनाया गया. इस मौके पर 14 ग्राम संगठन के ईसी सदस्य, सीसी दिनेश कुमार, सादे आजीविका संकुल संगठन के सीसी धर्मेंद्र लकड़ा समेत कई बच्चे शामिल थे. बलकेल ग्राम संगठन की सदस्य सिलासी कंडुलना समेत सभी ईसी सदस्यों को हाथ धुलाई का प्रशिक्षण मिल चुका है. सभी ईसी सदस्य अपने समूह की बैठक में सदस्य को हाथ धुलाई की जानकारी देते हैं. इसके बाद सभी सदस्य अपने घरों में जाकर घर के सदस्यों को हाथ धोने के तरीके व उसके फायदे के बारे में बताते हैं. हाथ धुलाई दिवस में यह बताया गया कि हाथ धोने के चार स्टेप होते हैं. मौके पर उपस्थित सभी ईसी सदस्यों ने शपथ ली. उन्होंने कहा कि बीमार होने पर पैसा खर्च होता है और शरीर पर भी उसका असर होता है. शौच के बाद और खाने से पहले हाथ जरूर धोना चाहिए.

हाथ धोने का प्रशिक्षण लेतीं ग्रामीण महिलाएं.

राज्यपाल के हाथों छात्राएं हुईं सम्मानित

नयनतारा कुमारी

प्रखंड : मेदिनीनगर
जिला : पलामू

पलामू के मेदिनीनगर स्थित नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू शामिल हुईं. दीक्षांत समारोह में लगभग 934 छात्राओं को राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू के द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया और 53 छात्राओं को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया. राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने सभी छात्राओं के सफल भविष्य की कामना की. लेस्लीगंज गांव की श्वेता ने पुराने दिनों के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि गोल्ड मेडल उनके लिए पदक नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा है. श्वेता बचपन से ही पढ़ाई में काफी तेज थी. दसवीं बोर्ड की परीक्षा में पूरे जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया था. इसके बावजूद श्वेता ने जो सपना देखा, वो पूरा नहीं हुआ. श्वेता रांची के संत जेवियर कॉलेज में पढ़ाई करना चाहती थी, पर लड़की होने का हवाला देकर घरवालों ने उसे रांची नहीं आने दिया. इसके बाद उसने डालटनगंज के महिला कॉलेज में इंटर साइंस में दाखिला लिया. घर से आने-जाने में 20 किलोमीटर की दूरी हर रोज तय करनी पड़ती थी, जिससे काफी परेशानी होती थी. इसके बावजूद श्वेता ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी मेहनत के बल पर गोल्ड मेडल हासिल किया. इंटर के बाद श्वेता बीटेक करना चाहती थी, लेकिन उसका यह सपना भी पूरा नहीं हो पाया. उसने बीए में नामांकन कराया और पढ़ाई पूरी की. श्वेता अपने गांव में कम फीस लेकर गरीब परिवार की छात्राओं को ट्यूशन पढ़ा रही है.

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया

पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया प्रखंड अंतर्गत डुमरिया पंचायत के कुलाबुरू गांव में पोषण सप्ताह मनाया गया. कुशमुंडन कलस्टर के पीआरपी, सीआरपी और आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका सुमती गगराई और लक्ष्मी गगराई ने महिलाओं को पोषण के प्रति जागरूक किया. इस दौरान लोगों के बेहतर स्वास्थ्य, गर्भवती महिलाएं व कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया. उन्हें बताया गया कि किस तरीके से अपनी थाली में संतुलित आहार लेकर खुद ही स्वस्थ रह सकते हैं. अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त अनाज, फल, हरी सब्जी, चिकनाई रहित दूध, दूध के उत्पाद, मीट, मछली और बादाम खाना चाहिए. पोषण सप्ताह के दौरान विशेषज्ञों द्वारा पोषणयुक्त भोजन बनाने के बारे में बताया गया. सोयाबीन के पौष्टिक महत्व की भी जानकारी दी गयी. झारखंड में कुपोषित बच्चों की संख्या अधिक है. इसे दूर करने के लिए कई तरह की योजनाएं सरकार चला रही है. पोषण सप्ताह में बताया गया कि जन्म से छह महीने तक बच्चे को मां का दूध पिलाना चाहिए, जो उसके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है.

सुखमती गगराई

प्रखंड : हाटगम्हरिया
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

स्वच्छता सर्वेक्षण की मिली जानकारी

गोड्डा जिले के मोरडीहा प्रखंड अंतर्गत ठाकुरगंगटी गांव में स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत एसएचजी 18 एप द्वारा फीडबैक देने की जानकारी दी गयी. 60 प्रतिभागियों को यह प्रशिक्षण दिया गया. सीसी सोनेलाल ने सभी को आवेदन में फीडबैक भरने की जानकारी दी. खुले में शौच से मुक्त करने के लिए पूरे देश में अभियान चलाया जा रहा है. इसके तहत शौचालय बनाये जा रहे हैं. मोरडीहा में ग्राम संगठन द्वारा अब तक 136 शौचालयों का निर्माण कराया जा चुका है. इससे गरीबों के चेहरे पर मुस्कान आ गयी है, क्योंकि अब उनकी बहू-बेटियों को शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा. साथ ही पूरे गांव में सफाई अभियान के तहत पानी जमा होनेवाले गड्ढे को मिट्टी से भरा गया है. सफाई रखने से कई प्रकार की बीमारियां दूर होती हैं. स्कूली बच्चों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया.

कुमारी पूनमवाला

प्रखंड : मोरडीहा
जिला : गोड्डा

आधुनिक कृषि तकनीक से लहलहा रही फसल

पलामू जिला अंतर्गत मेदिनीनगर प्रखंड के जमुने गांव की मुन्नी देवी के खेत में करैला की बंपर पैदावार हुई है. जैविक खेती करने के कारण इस बार अच्छा मुनाफा भी हुआ, लेकिन पहले उन्हें आधुनिक खेती के बारे में जानकारी नहीं थी. इस कारण उन्हें अक्सर नुकसान उठाना पड़ता था. महंगे कीटनाशक और खाद के कारण पैसे नहीं बचते थे. पति मजदूरी का काम करते थे, जिसके कारण घर चलाना काफी मुश्किल होता था. साल 2015 में मुन्नी देवी को समूह की जानकारी मिली और रानी आजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ गयीं. समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आधुनिक और जैविक विधि से खेती करने की जानकारी मिली. मुन्नी देवी ने समूह से 30 हजार रुपये का लोन लिया और लौकी व करैले की खेती शुरू की. जैविक व आधुनिक तरीके से खेती करने का असर भी दिखा. अब उन्हें महीने में 3000 रुपये का मुनाफा हो रहा है. उन्होंने समूह से लिए 15000 रुपये का लोन भी चुकता कर दिया है.

ममता देवी

प्रखंड : मेदिनीनगर
जिला : पलामू

दीदियों को पंचायत स्तर का प्रशिक्षण

राज्य में सबकी योजना, सबका विकास अभियान चलाया जा रहा है. ग्राम पंचायत विकास योजना के अंतर्गत यह समुदाय आधारित योजना अभियान चल रहा है. इस योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए हर पंचायत के सखी मंडल की महिलाओं को रांची स्थित केजरीवाल संस्थान में प्रशिक्षण दिया गया. 2019-20 के लिए बनायी गयी योजनाओं पर पुनर्विचार करके इसके लिए मुखिया के द्वारा प्रेजेंटेशन दिया जायेगा. इसके तहत नयी योजना बनाने की मुख्य जिम्मेदारी पंचायत की होगी, जिसमें सखी मंडल की महिलाएं, पंचायत स्तर के प्रतिनिधि, रोजगार सेवक, पंचायत सेवक, सहिया और आंगनबाड़ी सेविकाएं मुख्य भूमिका निभायेंगी. सिल्ली की ऊषा देवी ने सबकी योजना, सबका विकास योजना के बारे में जानकारी दी. सखी मंडल की सदस्य दूसरी महिलाओं के साथ मिलकर गांव की जरूरतों के मुताबिक योजनाओं की सूची बनायेगी. महिलाएं सभी 29 विभागों से संबंधित योजनाएं बना सकती हैं. योजना बनाने के बाद विशेष ग्रामसभा का आयोजन होगा. अगर 2019-20 की योजनाओं में कोई किसी प्रकार का बदलाव चाहेगा या कोई नयी योजना लेना चाहेगा, तो इसे ग्रामसभा में तय किया जायेगा. ग्रामसभा में सभी विभागों के पंचायत स्तरीय पदाधिकारी और कर्मचारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे. ग्रामसभा में सभी सरकारी कर्मचारी अपने विभाग द्वारा पंचायतों में संचालित योजनाओं की जानकारी देंगे. इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2018-19 में पंचायत में हुए खर्च का ब्योरा दिया जायेगा. विशेष ग्रामसभा की पूरी प्रक्रिया की तस्वीरें जीपीडीपी एप पर अपलोड किया जायेगा.

रूबी खातून

प्रखंड : अनगड़ा
जिला : रांची

पोषण अभियान के तहत निकाली गयी रैली

पोषण अभियान के तहत निकाली गयी रैली में शामिल महिलाएं.

गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड की इसरी उत्तरी और इसरी दक्षिणी पंचायत की सखी मंडल की दीदियों ने पोषण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए रैली निकाली. अभियान के माध्यम से सभी ग्रामीणों को पोषण के प्रति विस्तार से जानकारी दी गयी और उन्हें जागरूक किया गया. पोषण अभियान की जानकारी देते हुए गीता देवी ने बताया कि आंगनबाड़ी से जो आहार बच्चों के लिए दिये जाते हैं, उसे बच्चों को अवश्य खिलायें. सही समय पर बच्चों का टीकाकरण भी अवश्य कराएं. गर्भवती महिलाओं का प्रसव अस्पताल में ही कराएं. अपने बच्चों को स्वस्थ रखना चाहिए और अपने आस-पास साफ-सफाई रखनी चाहिए. अपने घर के आस-पास ज्यादा दिनों तक जल-जमाव नहीं होने देना चाहिए और हमेशा मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए. इस तरह की जानकारी सभी पंचायतों में दी जा रही है, ताकि कोई बीमार नहीं पड़े और बच्चे कुपोषित नहीं हों. हनुमान सखी मंडल की सदस्य अनुराधा ने बताया कि ऐसी कई अशिक्षित महिलाएं हैं, जो अपने बच्चों को आंगनबाड़ी नहीं भेज रही हैं, उन महिलाओं को घर-घर जाकर आंगनबाड़ी से मिलनेवाले लाभ के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है. उन्होंने बताया कि रैली निकालने से पहले ग्राम संगठन की बैठक की गयी थी, जिसमें सभी सखी मंडल की महिलाओं को पोषण के बारे में विस्तार से बताया गया था. इसके बाद स्थानीय लोगों को जागरूक करने के लिए रैली निकालने का निर्णय लिया गया. रैली के माध्यम से सभी ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है. घुंटवाली पंचायत में भी सखी मंडल की महिलाओं ने पोषण अभियान के तहत रैली निकाली. आज गांव की महिलाएं सखी मंडलों से जुड़कर स्वच्छता और पोषण के लिए सभी को जागरूक कर रही हैं. सभी महिलाएं इसका श्रेय जेएसएलपीएस को देती हैं.

मुनिया देवी

प्रखंड : डुमरी
जिला : गिरिडीह